**Diploma in Language Examination 2016**
**Hindi**
**Paper-III**

**Time : 3 Hours** **Full Marks : 80**

Questions are of value as indicated in margin

1. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 10

आगे बढ़ा शिशु रवि
बदली छवि बदली छवि
देखता रह गया अपलक कवि
डर था, प्रतिपल
अपरूप यह जादुई आभा
जाए ना बिखर, जाए ना बिखर !

अथवा

बस यही नहीं, जो भूख मिली
सौगुनी बाप से अधिक मिली।
अब पेट खलाए फिरता है।
चौड़ा मुँह बाए फिरता है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 10

कुत्ते की देह से न जाने कैसी दुर्गन्ध आ रही थी; पर वह उसे अपनी गोद में चिपटाये हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था, जो इधर महीनों से उसे न मिला था।

अथवा

जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़े पृथिवी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा।

3. 'चाँद और कवि' शीर्षक कविता के भाव-सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

कबीरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. भारतेंदु हरिश्चंद्र अथवा श्यामसुंदर दास के निबंधो की विशेषताएँ बताइए। 15

5. कहानीकार जयशंकर प्रसाद अथवा जैनेन्द्र कुमार की कहानियों की विशेषताएँ बताइए। 15

6. भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** साहित्यकारों का साहित्यिक परिचय दीजिए —
कबीरदास, मीराँबाई, प्रेमचंद, नागार्जुन।